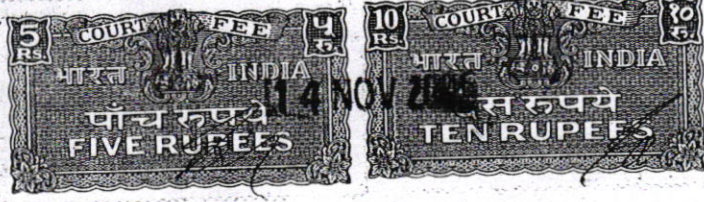


R 1953/105 21

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर म.प्र.



CF 154

1. श्रीमती गोमती रानी भुक्ला पत्नी श्री शत्रु सूदन प्रसाद भुक्ला
उम्र 63 वर्ष
2. धर्मन्द्र भुक्ला उम्र 35 वर्ष
3. जयेन्द्र भुक्ला उम्र 28 वर्ष
4. संगीता भुक्ला उम्र 38 वर्ष
5. लीदता भुक्ला उम्र 32 वर्ष
6. प्रणिता भुक्ला उम्र 30 वर्ष
7. अजिता भुक्ला उम्र 28 वर्ष

श्री शत्रु सूदन प्रसाद भुक्ला
द्वारा आज दि. 21.11.05 को प्रस्तुत।
राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वालियर

21 NOV 2005

सभी पुत्रगण स्व. श्री शत्रुसूदन प्रसाद भुक्ला, नि.गण
सेमीरयाचौक चाणक्यपुरी, सतना, हाल निवास सिविल लाइंस
रीवा, तह. हजूर, जिला-रीवा म.प्र.

8. पुरुषोत्तम नारायण भुक्ला तनय द्वारिका प्रसाद भुक्ला
उम्र 62 वर्ष, निवासी सेमीरया चौक, तह. रघुराज नगर जिला-
सतना म.प्र.

--- आवेदक गण

बनाम

प्रेमजी भाई पटेल पुत्र शिवगण भाई पटेल उम्र 64 वर्ष,
निवासी कृष्णनगर, तह. रघुराज नगर वृत्तसतना, जिला-
सतना म.प्र.

--- अनावेदक

निगरानी विरुद्ध निर्णय एवं आदेश अपर कमिश्नर
रीवा संभाग रीवा म.प्र.

क्रमशः

शत्रु सूदन प्रसाद भुक्ला

282



Handwritten signature or mark.

Handwritten mark.

F. 11.05
KR/ma/hi

Handwritten mark.

22

-2-

दिनांक 18.10.05 जो उनके द्वारा प्र.क्र.

129 निगरानी /2002-03 में पारित किया

जाकर ~~आवेदक~~, आवेदक गण की निगरानी निरस्त
की गई.

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू-रा.सं.

सन् 1959 ई.

मान्यवर,

आवेदक गण की निगरानी अन्य के अतिरिक्त निम्नलिखित

आधारों पर प्रस्तुत है:-

1. यहाँक निर्णय एवं आदेश अधी. न्यायालय दि. 18.10.05 विधि,
प्रक्रिया एवं प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्य के विरुद्ध है तथा निरस्त होने
योग्य है।

2. यह कि आवेदक गण क्र. 1 ता 7 के पूर्वाधिकारी स्व.श्री सतुसूदन

प्रसाद शुक्ला के प्रबन्धीन आराजी ख.क्र. 261/1 ख का लुज रकबा

0.5 $\frac{1}{2}$ ए. स्थित मौजा सेमरिया चौक सतना जिरये विक्रय पत्र

क्रय किया था, तथा इसी आराजी का लुज रकबा 5 डिसेमिल

आवेदक क्र. 8 पुरुषोत्तम नारायण शुक्ला ने क्रय किया था, इसके

पश्चात् उक्त क्रयशुदा आराजियात का नामांतरण अपने पक्ष में कराने

बावत आवेदन पत्र उक्त ख सतुसूदन प्रसाद शुक्ला एवं पुरुषोत्तम नारायण

शुक्ल ने तहसीलदार तह. रघुराज नगर के समक्ष प्रस्तुत किया था, जो

W

क्रमशः
जयपुरी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग-अ

प्रकरण क्रमांक निग0 1953-दो/2005

जिला-सतना

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-9-16	<p>आवेदक के अभिभाषक श्री कृष्णपाल उपस्थित। अनावेदक अनुपस्थित होने से उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाती है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक ने अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के प्र0क्र0 129/निगरानी/2002-03 में पारित आदेश दिनांक 18.10.05 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत निगरानी इस न्यायालय में प्रस्तुत की है।</p> <p>3/ प्रकरण में आवेदक के अधिवक्ता के तर्क श्रवण किये गये तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया। अवलोकन से स्पष्ट है कि अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, रघुराजनगर ने 28.06.96 को मात्र यह आदेश पारित किया है कि प्रकरण 9 वर्ष चलने के बाद ग्राह्यता के बिन्दु पर निरस्त नहीं किया जा सकता है। अधीनस्थ न्यायालय में आवेदकगण ने अपील दिनांक 04.08.87 को पेश किया था तथा दिनांक 28.06.96 को ग्राह्यता पर आदेश पारित किया गया था। इतने लंबे अंतराल के बाद किसी भी प्रकरण को दायरा के बिन्दु पर निरस्त करना उचित नहीं है। वैसे भी प्राकृतिक न्याय सिद्धांत के एवं संहिता की धारा 49 में यह प्रावधान है कि किसी अपील या निगरानी को तकनीकी दृष्टि से निरस्त न कर गुणदोष पर आदेश पारित करना चाहिये। अनुविभागीय</p>	

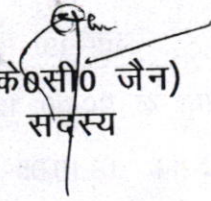
M ✓

Handwritten signature

20

अधिकारी रघुराजनगर के द्वारा दिनांक 28.06.96 को जो आदेश पारित किया गया है वह विधिनुकूल है। अपर आयुक्त रीवा संभाग, रीवा ने अपने आदेश में इसकी पुष्टि की है।

4/ उपरोक्त विवेचना के परिप्रेक्ष्य में अधीनस्थ न्यायालय आयुक्त रीवा संभाग, रीवा का आदेश विधिनुकूल है। अतः अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के द्वारा पारित आदेश दिनांक 18.10.2005 स्थिर रखा जाता है। फलतः आवेदक के द्वारा प्रस्तुत निगरानी निरस्त की जाती है। प्रकरण समाप्त होकर, दाखिल रिकॉर्ड हो।


(के.सी.0 जैन)
सदस्य

M